सोना रो गेहणो - 1 साटां री जोड़ी तोला 70)27[7]

ढोलीया 3-1 डेरै मेलियों 21 पागां रो बास (विशेष असाधारण) सराजाम सुधो। श्री रखराजाजी गढ़ उपर पोढ़िया तर रूपा रा पागां रो सजबाज सुधो 1 ढोलीया डायजा में सोना रा पागां रो साराजाम सुधो।

महाडोल मुखमल रा काम सु सूरे गायरे पूंछ रो

हाथी 2-1 अंबाड़ी सुधो। दूजो अंबाड़ी मुखमल सुं मंडीयोड़ी

4 घोड़ा ज्यारै काठीयां बनात सुं मंडीयोड़ो

जोटला रूपा रा, ठेकड़ा रो तुररा रूपा रा गोटा, गादीपुर

खण्ड-10-1 हींडला षाट वालो

9 रथ वार गीर।[8]

इस बही में उल्लेख है कि विवाह के पश्चात् गाय दर्शन कराने का रिवाज़ भी था। इस प्रकार विवाह जैसे मांगलिक कार्य रीति-रिवाज, उनकी भव्यता, ब्याव दहेज जनमानस का सहयोग एवं खुशियाँ पदाधिकारी-कर्मचारी आदि को सौंपे गये कार्यों एवं व्यवहारिक जमा-खर्च बही की विक्रेता तो है ही, साथ ही ज्ञात-अज्ञात ऐतिहासिक इमारतों, इतिहास संस्कृति, राजनीतिक संबंध और मारवाड़ के रीति-रिवाजों के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण पक्ष भी बही में उल्लेखित है। निश्चित ही अत्यन्त महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज है।

संदर्भ

1. नगर, डॉ. कुं. महेन्द्रसिंह, श्री सूरजकंवर बाईसा रै ब्याव री बही, जोधपुर, 2013, पृ. 5-6
2. उक्त, पृ. 7-8
3. राठौड़ डॉ. विक्रमसिंह - जोधपुर राज्य की दस्तूर बही, जोधपुर, 1994, पृ. 68
4. सूरजकंवर व्याव री बही, पृ. 10.
5. जोधपुर राज्य की दस्तूर बही, पृ. 75
6. नगर, डॉ. महेन्द्र सिंह, मारवाड़ के राजवंश की सांस्कृतिक परम्पराएँ भाग-2, जोधपुर, 2011, पृ. 333-334, सूरजकंवर ब्याव री बही, पृ. 11.
7. उक्त, पृ. 202
8. जोधपुर राज्य की दस्तूर बही, पृ. 30-51

खाना रिकॉर्डस् में क्षेत्रीय इतिहास : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. अनिल पुरोहित

क्षेत्रीय इतिहास की जानकारी के महत्वपूर्ण स्त्रोत हमें अभिलेखागारीय सामग्री के रूप में प्राप्त होते है। केन्द्रीय सत्ता (मुगल) की रूपरेखा पर राजपूताना के मनसबदारों (वतन जागीदार) द्वारा बहीखानों तथा पोथीखानों की स्थापना की गई तथा प्रशासन एवं जीवन के अन्य पक्षों से संबंधित राजकीय सूचनाएं एकत्र की जाने लगी। एक प्रकार से गजट-लेखन आरंभ हुआ। बहियों, रूक्के, परवाने, सनदों, विगतों के माध्यम से एक काल एवं क्षेत्र विशेष की प्रशासनिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक गतिविधियों के दैनिक तथा वार्षिक वृत्तान्तों को सुरक्षित रखा जाने लगा। इनके अतिरिक्त ख्यातों तथा बातों के माध्यम से भी जानकारियाँ रिकॉर्ड की जाने लगी। चूकिं मुख्य रूप से ये अभिलेख राजकीय एवं प्रशासनिक दस्तावेज है, अतः इनमें प्राप्त अधिकांश सामग्री तथा जानकारी वस्तुनि ठ होती है। आज इतिहास विश्व-व्यवस्था के उत्तर-आधुनिक अवगमन के अन्तर्गत लिखा जाने लगा है तथा माइक्रो-स्टडीज् के अन्तर्गत क्षेत्रीय इतिहास महत्वपूर्ण स्थान रखता है। स्थानीय से क्षेत्रीय तथा क्षेत्रीय से राष्ट्रीय इतिहास का निर्माण होता है।

अभिलेखागारीय सामग्री में मारवाड़ राज्य के 'खाना रिकार्डस्' महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। 1886-1934 के काल के खाना रिकार्डस् की संख्या 105 हैं, जिनमें उपरोक्त काल की प्रत्येक जानकारी संरक्षित है। ये रिकार्डस् सूचनाओं के भण्डार है तथा संबंधित 'खाना' की सूचना के अतिरिक्त व्यापार-वाणिज्य, व्यापारिक केन्द्र, व्यापारिक मार्ग, रीति-रिवाज, त्यौहार, सांस्कृतिक उत्सव, बैकिंग प्रणाली, राजस्व व्यवस्था, कारखाना पद्धति आदि की विस्तृत सूचनाएं देते हैं। 'खाना' का तात्पर्य विभागवार/ विषयवार फाइल्स का विभाजन है। चूकिं फाइल्स को हैड वाइज विभाजित कर वर्ष भर की सूचनाएं एकत्र की जाती थी, अतः इन रिकार्डस् को खाना रिकार्डस् पुकारा गया। ये रिकार्डस् इतिहास लेखन की दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण इसलिये हो जाते है, क्योंकि ये राजतंत्र, बिटिशतंत्र तथा लोकतन्त्र के संक्रमण-काल के रिकार्डस् है। इस समय मारवाड़-राज्य प्रशासनिक-आर्थिक सामाजिक दृष्टि से परिवर्तित हो रहा था। रियासती प्रशासन तथा रीति-रिवाजों में ब्रिटिश प्रभाव स्पष्ट दिखलाई देने लगा था तथा कई तकनीकि एवं आर्थिक परिवर्तन हो रहे थे। खाना रिकार्डस् जोधपुर राज्य के महकमा

खास के समान ही हिन्दी रिकॉर्ड है। इसमें राजघराने, जनाना, सरदार, रावराजा, जनानी ड्योढी, राजतिलक, दस्तूर से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त होती है। राजघराने के अलावा इनमें कमठा, जवाहरखाना, नगारखाना, टकसाल, बैंक, ऑडिट-आफिस, लवाजमा, जंगलात, बागात, वाल्टरकृत सभा, धामाई, लाठ-साहब, सुतरखाना, सफाखाना, हैसियतकोर्ट, पुलिया, चंवरी, फरासखाना, हाउस होल्ड व अन्य सीगों (विभागों) का हवाला (रिकार्ड) मिलता है। खाना रिकार्डस् महाराजा जसवन्तसिंह द्वितीय के समय से शुरु होते हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से भी यह रिकार्ड विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालने के कारण एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। पुलिस, हैसियत कोर्ट, ऑड्ट्-आफिस आदि उस समय की प्रशासनिक व्यवस्था की जानकारी देने में सहायक हैं। राज्य के विकास कार्य जैसे बालसमन्द, लालसागर, मण्डोर व किले के बारे में भी इस रिकार्डस् से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। चंवरीलाग, त्यौहार आदि से इस समय की सामाजिक रीति-रिवाज की जानकारी प्राप्त होती है। कमठा, टकसाल, बैंक व खाना रिकार्डस् की अन्य विभागों की पत्रावलियों का अध्ययन कर इस समय की आर्थिक स्थिति का पता लगाया जा सकता है। खाना रिकार्डस् में कुल 105 खानें है, जिनमें कुछ मुख्य है-

1. हैसियत कोर्ट (खाना न॰ 44 सन् 1901-1927) हैसियत कोर्ट की पत्रावलियों में जागीरदारो पर अधिक ऋण हो जाने एवं उनकी स्थिति बिगड़ जाने पर उनकी जागीर हेसियत कोर्ट के अधीन हो जाती थी, जागीरदारों को उनके जीवन निर्वाह हेतु कुछ हिस्सा दिया जाता, शेष से साहूकारों का ऋण चुकाना एवं ऋण पूरा होने पर जागीरदारों को पुन: जागीर लौटाने आदि का विवरण मिलता है।

2. हदबस्तहवाला (खाना न॰ 63-1895-1924) की पत्रांवलीयों में खसरे एवं बेरे के मालिकों के उत्तरदायी व्यक्तियों को दिये जाने संबंधी प्रार्थना-पत्रों का हवाला, अकाल के समय छूट, अर्जदास्तों का उल्लेख आदि का विवरण है।

3. महाराजा (खाना न. 01) महाराजा कंवर के हाथ खर्च एवं उसकी स्वीकृतियां तथा वर्षगांठ पर होने वाले उच्छव और खर्च के विवरण आदि मिलते हैं।

4. रावराजा (खाना न. 03) रावराजाओं को हाथ खर्च देना, गर्मी के समय राज्य से दस्तूरी मिलना, सिरोपाव देना, रंग के पेच देना, विवाह के अवसर पर दस्तूरी मिलना, प्रथम पीढी को शादी का खर्च राज्य से मिलना तथा पदभितों व उनके पुत्रों को अलग से मकान देना इत्यादि भी शामिल है।

5. दीवानों के कागजात (खाना न. 7-सन् 1879-1894) इसमें दीवानों के कागजात, राजकुमारी के विवाह पर न्योतारा जागीरदारों से प्राप्त करना, महाराजकुंवर के विवाह पर 'घोड़ा नजर' के 250 रुपये या घोड़ा दिया जाता था। हुकमनामा न भरने वाले जागीरदारों की जागीरें हवाला के देख-रेख में रखे जाने आदि का विवरण मिलता हैं।

6. ट्रिब्यूट अमल री चिट्ठियां, पट्टा रा मासौदा वा सनदा (खाना नं. 8- सन् 1890-1925) : ट्रिब्यूट, अमल री चिट्ठियां, पट्टा रा मासौदा, पट्टा री सनदां, नीजर नेता, वैक्सीनेशन फीस की वसूली, जागीदार की मृत्यु पर सूचना, रेख चाकरी की वसूली इत्यादि।

7. देवकुण्ड (खाना न. 10) पत्रावलियों में संस्कार के कायदे, महाराजा श्री सुमेरसिंह के थेड़े एवं काजक्रिया के सम्बन्ध में जानकारी मिलती है।

8. जनानी ड्योढी (खाना न. 12-सन् 1910-1922) राव मालदेव से सरदार सिंह जी तक की राणियों की सूची, सालगिरह, ढूंढ का उत्सव, महाराज व राणियों के फूल हरिद्वार भेजने आदि की जानकारी मिलती है।

9. दस्तूरी (खाना न. 13-सन् 1879-1921) जैसलमेर के महारावलों की शादी पर कुंकुपत्री सैखलीतो, जोधपुर लाने वाले को घोड़ा सिरोपाव, बादणवाड़ा कंवरजी को सीरोपाव आदि का विवरण मिलता है।

10. जवाहखाना (खाना न. 19-सन् 1906-1915) जवाहरखाना की पत्रावलियों में महाराणियों, माजियों व पड़दायतों के सोने, चांदी के बनाये जाने वाले गहनों की स्वीकृतियों की जानकारी मिलती है।

11. टकसाल (खाना न. 20-सन् 1902-1930) इसमें सोने-चांदी की रकम, फेमिन के समय सरकार के जरिए बिकना, मालधणी को वाजिब पैसे दिये जाने, नागौर टकसाल के हासल का इजारा आदि का विवरण मिलता है।

12. नगारखाना (खाना न. 23-सन् 1878-1925) इसमें महाराज कंवर के जन्म पर बधाई के नागारचियों को जागिरदारों से 1000 रूपये की देख पर दस आना के हिसाब से परवाने किये जाने, जोधपुर के किले की नींव में तीन भांभियों को जिन्दा चुन जाने का विवरण एवं नागारचियों के पूर्वजों के बारे में जानकारी मिलती है।

13. सर्क्यूलर हिदायता (खाना न. 29-सन् 1888-1927) इसमें चारण कौम के लडकों को जायदाद में बराबर हिस्सा मिलना, चोरी-धाड़ा रोकने की व्यवस्था, मारवाड़ में बीजेशाही सिक्का बंद करने का इश्तिहार, कचेड़ी का समय, अफसरो को हिदायतें आदि के बारे में जानकारी मिलती है।

14. वाल्टरकृत सभा (खाना न. 31 सन् 1901-1927) इस सभा की पत्रावलिया शादी या गमी की व्यवस्था पर, असल राजपूत का असल जाति से शादी करना, जीमण के नियम और मौसर पर रोक आदि के बारे में विवरण प्रस्तुत करती है।

15. कारखानाजात (खाना न. 38-सन् 1900-1928) इसमें कारखानाजात के कार्य हेतु सामान की रिपोर्टों, खर्चे की स्वीकृतियों, किलों की पड़ताल, गेस्ट का

हिसाब, सन् 1927 में बीकानेर दरबार के आने पर व्यवस्था एवं हिदायतों के बारे में जानकारी मिलती है।

16. चंवरीलाग (खाना न. 47- सन् 1885-1933) इन पत्रावलियों में चंवरीलाग के ठेके पर परगनेवार देना, चंवरीलाग का एक रूपया एक टका वसूल करना, चंवरी गुरू की मृत्यु पर उसके उत्तराधिकारियों को कपड़े के कोठार से चद्दर देना, ठेकेदार द्वारा वसूली करना तथा सूचना हाकम को देना, ऑडिट आफिस द्वारा ठेके देना आदि का विवरण उपलब्ध होता है।

17. सायरात (खाना न. 62-सन् 1901-1928) इन पत्रावलियों में सायरात आमदनी, खर्च मुलाजमानों की नियुक्तियां, प्रशासन, सायरात सम्बन्धी स्वीकृतियां आदि की जानकारी मिलती है।

18. लागबाग, हकूमज और कोटवाली (खाना न. 73-सन् 1900-1908) इसमें चंवरीलाग, पटवार, ढोढी दस्तुर, भरोही, कबूलायत, नीजर आदि लोगों का उल्लेख मिलता है तथा सालाना लाग का विवरण भी उपलब्ध होता है।

19. बक्सी जागौर (खाना न. 79- सन् 1901-1927) इसमें गावों की रेख हुकमनामा मुजब भरने, विभिन्न गांवों की रेख का ब्योरा, रेख नहीं लेने वाले गावों से सालाना नजराना लिया जाना, बकाया एवं चालू रकम की जानकारी भी उपलब्ध होती है।

20. तिवार (खाना न. 105-सन् 1901-1912) तिवार में भूतपूर्व जोधपुर राज्य के त्योहारों, दीपावली, गोगानम, गणेश चौथ आदि मनाने का उल्लेख मिलता है। दीपावली पर दीपमालिका, गोगानम पर मिट्टी के घोड़ा की पूजा किये जाने पर दस्तूर का एक रुपया दिये जाने की प्रार्थना, गणेश चौथ पर श्री जी सायबा के बंगले पर लाडू दिये जाने का मुकर्रर होना आदि का विवरण मिलता है।

इस तरह खाना रिकार्ड विभिन्न प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराता है। ये रिकार्ड शोधार्थियों के लिये भी महत्वपूर्ण है। इन रिकार्डस् के अध्ययन से एक काल विशेष संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। ये रिकार्डस् अभी तक अछूते रहे हैं तथा इनमें प्राप्त होने वाली सूचनाओं की जाँच तत्कालीन बहियों तथा एडिमिनिट्रेटिव रिपोर्टस् से की जा सकती है। इन रिकार्डस् का अध्ययन हमें निश्चित रूप से नवीन जानकारी देने में सक्षम होगा।

राजस्थान राज्य जिला अभिलेखागार की जोधपुर में अग्रलिखित खाना रिकॉर्ड्स उपलब्ध होते हैं, जिनके विवरण उनके विवेच्य वर्ष एवं बस्ता संख्या के साथ इस प्रकार है—

1. खाना रिकॉर्ड, महाराजा, बस्ता संख्या 01, 1886-1919
2. खाना रिकॉर्ड, जनाना, बस्ता संख्या 01, 1900-1909

3. खाना रिकॉर्ड, रावराजा, बस्ता संख्या 01, 1886-1919
4. खाना रिकॉर्ड, दिवारा रा कागजात, बस्ता संख्या 01, 1879-1913
5. खाना रिकॉर्ड, ट्रिब्यिूट, बस्ता संख्या 02 और 03, 1890-1925
6. खाना रिकॉर्ड, महाराजा सरदार सिंह जी की शादी उदयपुर होने बा(बत), बस्ता संख्या 02 और 03, 1889-1916
7. खाना रिकॉर्ड, देवकुण्ड, बस्ता संख्या 04, 1886-1918
8. खाना रिकॉर्ड, राजतिलक, बस्ता संख्या 04, 1911
9. खाना रिकॉर्ड, जनानी ड्योढ़ी, बस्ता संख्या 05, 1910-1918
10. वही, दस्तरी, बस्ता संख्या 06, 1884-1921
11. खाना रिकॉर्ड, परवस रंग सिरोपाव
12. खाना रिकॉर्ड, स्टाम्पस् बो रजिस्ट्री, बस्ता संख्या 06, 1876-1878
13. खाना रिकॉर्ड, हजूरी दफ्तर, बस्ता संख्या 06, 1885-1928
14. खाना रिकॉर्ड, मुंशीगिरी, बस्ता संख्या 06, 1885-1928
15. खाना रिकॉर्ड, कमठा, बस्ता संख्या 06, 1905-1914
16. खाना रिकॉर्ड, जवारखाना, बस्ता संख्या 06, 1906-1915
17. खाना रिकॉर्ड, टकसाल, बस्ता संख्या 07 और 08, 1902-1930
18. खाना रिकॉर्ड, नगारखाना, बस्ता संख्या 09, 1878-1925
19. खाना रिकॉर्ड, बैंक, बस्ता संख्या 09, 1914-1921
20. खाना रिकॉर्ड, पुस्तक प्रकाक्रन, बस्ता संख्या 09, 1884-1925
21. खाना रिकॉर्ड, चन्डू पंचांग, बस्ता संख्या 09, 1891
22. वही, ओडिट-ऑफिस, बस्ता संख्या 09, 1903-1920
23. खाना रिकॉर्ड, मुत्तफरकात, बस्ता संख्या 10 और 11, 1857-1927
24. खाना रिकॉर्ड, सरक्यूलर, हिदायत, ओहदेदारी, तरक्की, बदलिया, मोकुफी, इमारती पट्टा, बस्ता संख्या 12 और 13, 1888-1927
25. खाना रिकॉर्ड, लवाजमा री मंजूरिया, बस्ता संख्या 14, 1880-1923
26. खाना रिकॉर्ड, वाल्टरकृत सभा, बस्ता संख्या 14, 1901-1927
27. खाना रिकॉर्ड, जंगलात, बस्ता संख्या 15, 1900-1923
28. खाना रिकॉर्ड, बागात, बस्ता संख्या 15, 1858-1907

29. खाना रिकॉर्ड, श्री लाट सायबा री तसरीफ आववारी, बस्ता संख्या 16, 1886–1934
30. खाना रिकॉर्ड, धाय भाई, बस्ता संख्या 16, 1895–1897
31. खाना रिकॉर्ड, कारखाना जाट, बस्ता संख्या 17 और 18, 1906–1927
32. खाना रिकॉर्ड, सुतरखाना, बस्ता संख्या 19, 1911–1923
33. खाना रिकॉर्ड, सफाखाना, बस्ता संख्या 19, 1896–1907
34. खाना रिकॉर्ड, बडी वफालत, बस्ता संख्या 20, 1888–1921
35. खाना रिकॉर्ड, हेसियत कोर्ट, बस्ता संख्या 21, 1901–1927
36. खाना रिकॉर्ड, पुलिस, बस्ता संख्या 22, 1901–1925
37. खाना रिकॉर्ड, चवरिया लाग, बस्ता संख्या 23, 1885–1933
38. खाना रिकॉर्ड, पीयाद बक्शी, बस्ता संख्या 24, 1892–1902
39. खाना रिकॉर्ड, फरास खाना, बस्ता संख्या 24 और 25, 1888–1911
40. खाना रिकॉर्ड, हाऊस होल्ड़, बस्ता संख्या 26, 1925–1927
41. खाना रिकॉर्ड, सफर खर्च, बस्ता संख्या 26, 1899–1901
42. खाना रिकॉर्ड, तबेला–बगीखाना, बस्ता संख्या 27, 1897–1923
43. खाना रिकॉर्ड, ठेका, बस्ता संख्या 28, 1895–1929
44. खाना रिकॉर्ड, अन्न रा कोठार, बस्ता संख्या 29, 1891–1910
45. खाना रिकॉर्ड, शिकारखाना, बस्ता संख्या 30, 1902–1924
46. खाना रिकॉर्ड, खासा रसोवडा, बस्ता संख्या 30, 1895–1923
47. खाना रिकॉर्ड, रूखस्त, बस्ता संख्या 31, 1901–1915
48. खाना रिकॉर्ड, खासी बागर, बस्ता संख्या 31, 1894–1904
49. खाना रिकॉर्ड, सायरात, बस्ता संख्या 32, 1901–1928
50. खाना रिकॉर्ड, हवाला, बस्ता संख्या 34,35 और 36, 1895–1925
51. खाना रिकॉर्ड, बाकीयात, बस्ता संख्या 37, 1893–1916
52. खाना रिकॉर्ड, शादी, बस्ता संख्या 37, 1916–1925
53. खाना रिकॉर्ड, मेहमानदारी, बस्ता संख्या 37, 1911–1919
54. खाना रिकॉर्ड, बाईजी री शादियाँ, बस्ता संख्या 38, 1878–1924
55. खाना रिकॉर्ड, कपड़ा रा कोठार, बस्ता संख्या 39, 1884–1926

56. खाना रिकॉर्ड, अबदार खाना, बस्ता संख्या 40, 1896–1926
57. खाना रिकॉर्ड, लाग,बाग, हुकुमत और कोटवाली री, बस्ता संख्या 40, 1878–1930
58. खाना रिकॉर्ड, फेमिन, बस्ता संख्या 41, 1910–1913
59. खाना रिकॉर्ड, दिल्ली दरबार, बस्ता संख्या 41, 1903–1913
60. खाना रिकॉर्ड, मिल्टी फतेहपोल, बस्ता संख्या 41, 1904–1919
61. खाना रिकॉर्ड, बक्शी जागीर, बस्ता संख्या 41 और 42, 1910–1926
62. खाना रिकॉर्ड, जुरायम पेशा, बस्ता संख्या 43, 1884–1914
63. खाना रिकॉर्ड, आबकारी, बस्ता संख्या 44,45 और 46, 1891–1926,
64. खाना रिकॉर्ड, गजट, बस्ता संख्या 46, 1913–1919
65. खाना रिकॉर्ड, गऊखाना, बस्ता संख्या 46, 1900–1923
66. खाना रिकॉर्ड, मातमपोशी, बस्ता संख्या 46, 1891–1923

उपरोक्त रिकार्डस्, जो जिला अभिलेखागार जोधपुर में संरक्षित में 19वीं तथा 20वीं शताब्दी में मारवाड़ के प्रशासन के विभिन्न पक्षों की विस्तृत तथा प्राथमिक जानकारी मिलती है, जो राजस्थान के इतिहास लेखन को एक नवीन दिशा प्रदान कर सकती है।

ISSN 2321-1288

RAJASTHAN HISTORY CONGRESS

RAJHISCO

PROCEEDING VOLUME XXX

**DEPARTMENT OF HISTORY,
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY,
UDAIPUR**

DECEMBER - 2015

Editorial Board takes no responsibility for inaccurate misleading data, opinion and statement appeared in the articles published in this Proceeding. It is the sole responsibility of the contributors. No part of this Proceeding can be reproduced without the written permission of the Secretary, who also holds the copyright © of the 'Proceeding Rajasthan History Congress'.

- *Published by :*
  Prof. S.P. Vyas
  Secretary, Rajasthan History Congress
  Department of History
  J.N.V. University, Jodhpur

- *To be had from :*
  Dr. Manorama Upadhayaya
  Hony. Treasurer, Rajasthan History Congress
  Mahila PG Mahavidyalaya, Jodhpur

- ISSN 2321-1288

- Price :
  Rs. 250/- only

- *Printed at :*
  Jangid Computers, Jodhpur

- पूनम पाठक ... 462

59. मेवाड़ के सुरक्षा द्वारा रूपनगर—झीलवाड़ा ठिकानें
- गोविन्द सिंह सोलंकी ... 467

60. शेखावाटी भित्तिचित्रों का एक वैशिष्ठय—गोपी-कृष्ण स्वरूप
- डॉ. शिल्पी गुप्ता ... 473

61. अडोणी किले के क्षेत्र में स्थित बीकानेर राजवंश की स्मृतियां
- डॉ. नरसिंह परदेसी-बघेल ... 479

62. विष्णु मन्दिर, ईसवाल—एक अध्ययन
- प्रो. नीलम कौशिक एवं श्रीमती लीला माली ... 484

63. उदयपुर की हवेलियों का जातिगत आधार पर आकलन
- प्रो. मीना गौड़ ... 486

64. अलवर राज्य के राजगढ़ क्षेत्र का कलात्मक अध्ययन (स्थापत्य एवं चित्रकला के विशेष सन्दर्भ में)
- डॉ. फूलसिंह सहारिया ... 492

65. मेवाड़ के लोक कलाओं में बदलते सामाजिक मूल्य
- डॉ. मीनाक्षी बोहरा (शर्मा) ... 501

66. मेवाड़ के आदिवासी समाज में नाता प्रथा
- डॉ. अनिता कावड़िया ... 506

67. राजस्थान की सती एवं सता (पुरुष विशेष) परम्परा
- डॉ. योगवती पारीक ... 509

68. मेवाड़ राज्य के राजस्थानी साहित्यिक स्त्रोतों में जल : 17वीं-18वीं शताब्दी के संदर्भ में
- डॉ. प्रियदर्शी ओझा ... 514

69. धाट प्रदेश में जल प्रबंध : एक ऐतिहासिक व सांस्कृतिक अध्ययन
- पंकज चाण्डक ... 521

70. राजगढ़ में पारंपरिक जल प्रबंधन में समाज का योगदान : एक सर्वेक्षण
- मीना कुमारी ... 525

71. सींथल-खेड़ापा रामस्नेही सन्तों की यात्राओं का ऐतिहासिक महत्व (वि.सं. 1810 से वि.सं. 1883 तक)
- डॉ. हरीश कुमार ... 529

72. राजस्थान एवं गुजरात के जनजातियों के उत्थान के प्रणेता संत सती सुरमालदास
- डॉ. शंकरलाल खराडी ... 534

73. अजमेर-मेरवाड़ा में सामाजिक गतिशीलता (चीता-बरड़ समुदायों के विशेष संदर्भ में)
- जलालुद्दीन ... 541

74. कर्नल जेम्स टॉड के इतिहास लेखन की पुनर्समीक्षा की आवश्यकता
- विक्रमसिंह अमरावत ... 547

75. मेवाड़-राज्य के सामाजिक-आर्थिक पहलू का स्रोत 'देवलोक पधारिया की बहियां (कानोड़ ठिकाना के संदर्भ में)
- डॉ. जे.के. ओझा ... 551

76. सूरजकंवर ब्याव री बही - विशेष संदर्भ (वैवाहिक रीतियाँ और दहेज का ब्यौरा)
- डॉ. अल्पना दुभाषे ... 558

77. खाना रिकॉर्डस् में क्षेत्रीय इतिहास : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
- डॉ. अनिल पुरोहित ... 562

78. राजस्थान में 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम - आउवा (मारवाड़) के विशेष संदर्भ में
- कनिका भनोत ... 569

79. राजस्थान की जन-जागृति में आरंम्भिक पत्र-पत्रिकाओं का योगदान (1849-1920 ई. तक की पत्र-पत्रिकाओं के सन्दर्भ में)
- डॉ. सुरेश कुमार ... 580

80. राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम में पत्र-पत्रिकाओं का प्रभाव (1920 ई. में 1947 ई. तक)
- डॉ. दिनेश राठी ... 585

81. राजस्थान में स्वाधीनता आन्दोलन : अजमेर मेरवाड़ा के मुस्लिम स्वत्रन्ता सेनानियों के विशेष संदर्भ में
- डॉ. इकबाल फातिमा ... 592

82. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान शेखावाटी क्षेत्र में जन-जागृति में महिलाओं की भूमिका
- नरेन्द्र कुमार सैनी ... 599

83. गोवा मुक्ति संग्राम में झालावाड़ के सत्याग्रही : श्री छोटेलाल वर्मा
- डॉ. अर्चना द्विवेदी ... 604

84. प्रथम विश्वयुद्ध में मेवाड़ का योगदान
- डॉ. राजेन्द्रनाथ पुरोहित ... 609

85. जैसलमेर राज्य में परम्परागत चिकित्सा सुविधा : एक अध्ययन (1818-1900 ई.)
- डॉ. एम.आर. गढवीर ... 613

86. बीकानेर रियासत और औद्योगिक एवं व्यापारिक वर्ग
- डॉ. महेन्द्र पुरोहित ... 621

87. राजस्थान की बैंकिंग व्यवस्था में उभरती नवीन प्रवृत्तियाँ (18वीं से 19वीं शताब्दी तक)
- डॉ. कुलवन्त सिंह शेखावत ... 625